तर्ज-ए मेरे दिल कहीं और चल

चल सखी आ चलें रंगमोहोल,
संग पिया बैठीं सब चांदनी
रात पूनम की है सुहामनी

1- पूर्णमासी की रात पिया,
संग सखियों विराजें यहां-2
आधी रात शीतल चांदनी,
नूर से नूरी है चन्द्रमा
इश्क की है यहां रागिनी

2- बीच तख्त पे बैठक लगी
जुगल जोड़ी है सुन्दर सजी-2
पिया इश्क की महफिल लगी
रूहें मस्ती में मस्त हुईं
भीगें जल की फुहारों से भी

Nijanand App

3- कैसा आलम ये नूर भरा
मदमस्त खुशबू से भरा-2
उफ ऊपर से यह ठण्डी पवन
अंग अंग में भर दे उमंग
छाई है मदहोशियां रात की

4- बैठी सखियां सभी मिल कर
पीवें नज़रों से अमीरस भर-2
अलबेले संग रस भरियां
गर्क होती हैं इश्के पिया
सुख लें सुहाग से सुहागनी

Nijanand App

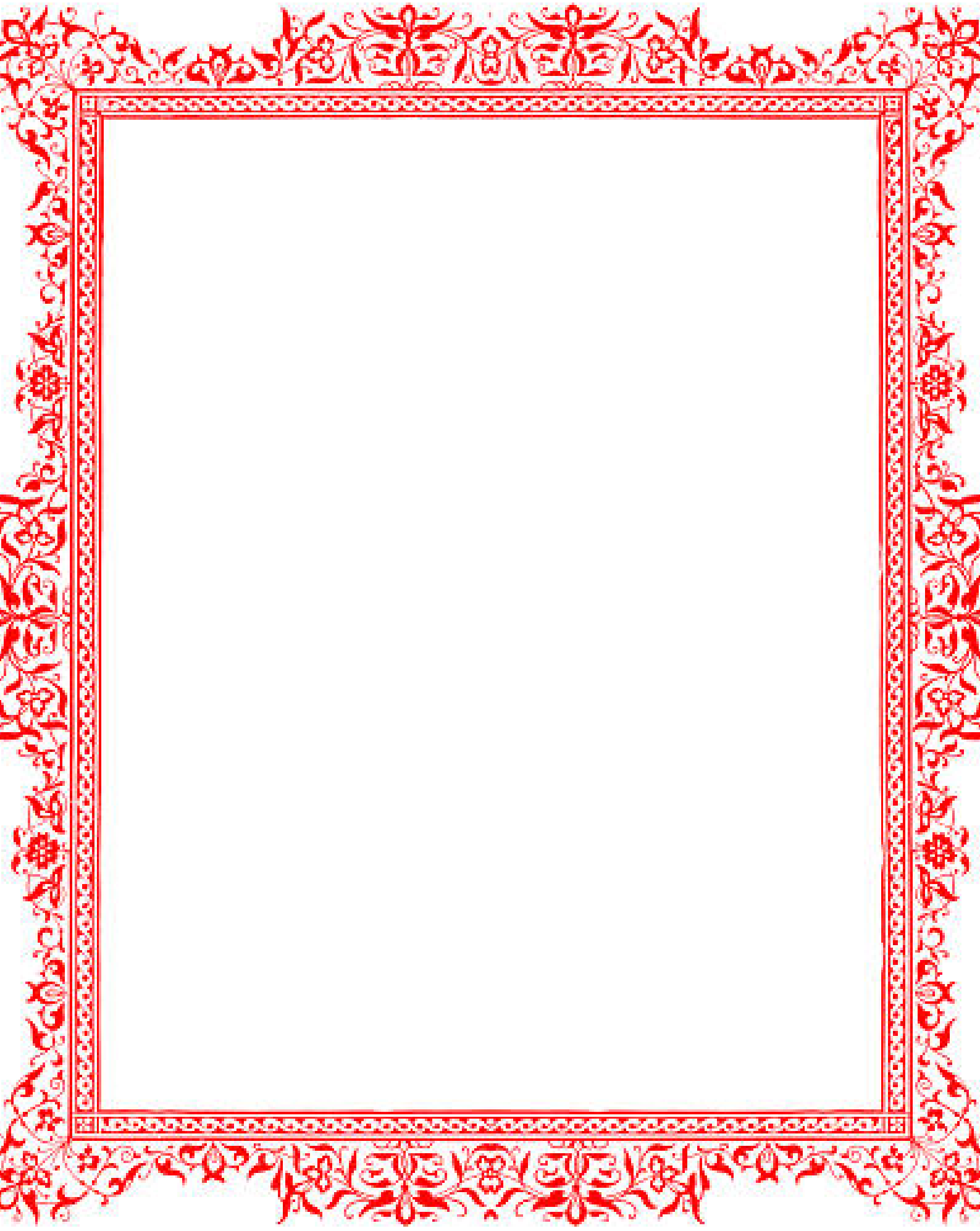

Nijanand App